

# DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPER:

Hindustan Times

DATED:

NEW DELHI  
SATURDAY  
JULY 09, 2022

दैनिक जागरण नई दिल्ली, 9 जुलाई, 2022

## सुप्रीम कोर्ट के सामने 15 पेड़ नहीं लगाने पर हाई कोर्ट ने की खिंचाई

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: अदालत के आदेश के बावजूद सुप्रीम कोर्ट के सामने 15 पेड़ नहीं लगाने पर दिल्ली हाई कोर्ट ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को फटकार लगाते हुए पूछा कि आदेश का क्या हुआ? न्यायमूर्ति नज्मी वजीरी की पीठ ने कहा कि पूरा इलाका पेड़ों से रहित है, जबकि कुछ साल पहले यहाँ कितने पेड़ हुआ करते थे। सरकार की ओर से निर्माण के लिए हजारों पेड़ कटवाए गए, लेकिन उस अनुपात में लगाए नहीं।

पीठ ने कहा कि अदालत ने मार्च में पेड़ों को सुप्रीम कोर्ट के सामने ट्रांसप्लांट करने का निर्देश दिया था। पीठ ने पूछा पिछले आदेश के बाद से आपने क्या किया है? आप नागरिकों को कहाँ दिखा रहे हैं कि आप लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता के रूप में मथुरा रोड को लेकर चिंतित हैं। पूरे क्षेत्र में एक भी पेड़ नहीं है। यह कैसी योजना है? सुंदर नगर के सामने भी इतना नुकसान हुआ है और कई पेड़ नष्ट हो गए हैं। सड़क आपकी है, आप इसे बनाए रखें। पीठ ने पिछली सुनवाई पर अंतिम आदेश देते हुए राजधानी में पेड़ों की कटाई पर प्रतिबंध लगा दिया था।

सुनवाई के दौरान पीठ को डीएनडी फ्लाईओवर के किनारे 300 पेड़ लगाने की जानकारी दी गई। इस पर पीठ ने डीडीए को बचाई देते हुए उन्हें जल्द क्षेत्र में और पौधे रोपने के लिए कहा। पीठ ने पीडब्ल्यूडी को पांच दिन में पौधे खरीदने और 15, 16 और 17 जुलाई को पौधारोपण करने को कहा। पीठ ने माना कि नागरिकों को सुविधाएं देना अधिकारियों का कर्तव्य है, लेकिन नागरिकों का भी कर्तव्य है कि वे हरे आवरणों की रक्षा करें।

## DDA, WWF to start dragonfly festival at Sanjay Van city forest by month-end

Risha Chitlangia

risha.chitlangia@htlive.com

**NEW DELHI:** In a bid to increase citizen participation in protecting the city forests, the World Wide Fund for Nature- India (WWF India) and the Delhi Development Authority (DDA) will jointly organise a dragonfly festival in Sanjay Van at the end of July.

This is the first such event planned in the city forest area after the DDA inked a memorandum of understanding (MoU) with WWF India last week to promote nature-based learning and experimental activities, especially for children.

Radhika Suri, director of environment education, WWF India, said, "The dragonfly festival is the

**SPREAD OVER 783 ACRES, SANJAY VAN IS A NOTIFIED RESERVED FOREST AND PART OF THE SOUTH-CENTRAL RIDGE IN THE CITY**

first of the many events and activities that we plan to hold at Sanjay Van to encourage people's involvement in preserving the forest. The community needs to own the forest and for that, we will plan different activities."

Suri said dragonflies are an indicator of the health of an environment and help to check diseases such as malaria and dengue

as they feed on mosquitoes.

"Visitors, especially children, can take pictures of dragonflies in the forest and upload them on India biodiversity portal along with the coordinates of where they were spotted. The pond ecosystem in Sanjay Van attracts several species of dragonflies and damselflies. This will help in understanding the status of the forest environment and also give us an idea about the number and types of species of flies, and their location with respect to water bodies."

Spread over 783 acres, Sanjay Van is a notified reserved forest and is part of the South-Central Ridge and is visited by around 10,000-15,000 people daily, according to WWF India.

"The idea is to get people to connect with nature and facilitate experiential activities such as tree tagging, nature walks, flora and fauna observation, children's educational activities etc. along with educative signboards, a flora and fauna atlas and citizen science initiatives," said a senior DDA official, asking not to be named.

The festival is one of the initiatives during which visitors can explore the forest and also contribute to data/information collection, the DDA said.

"We will initiate citizen science projects to allow visitors and volunteers to explore and contribute information/data on the various plants and animal species that can be discovered throughout the year," Suri said.

THE INDIAN EXPRESS, SATURDAY, JULY 9, 2022

## Delhi's damaged roads to be repaired every Saturday, plan drawn up

EXPRESS NEWS SERVICE  
NEW DELHI, JULY 8

TO MAKE roads in the capital safer and free of potholes, and fix dilapidated footpaths and stretches, the Delhi government has implemented a weekly action plan and asked departments concerned to select one road per zone/division every weekend for repair, maintenance and beautification.

Chief Secretary Naresh Kumar also issued a notification along with directions to all road-own-

ing agencies, including the Public Works Department, Municipal Corporation of Delhi, Delhi Development Authority, New Delhi Municipal Council, and others in this regard, asking them to submit an action plan by July 12.

Chief Minister Arvind Kejriwal said, "Under the government's weekly action plan to elevate the standards of the city roads, every Saturday, agencies will manage the upkeep of the roads in their respective zones."

Deputy CM Manish Sisodia, who also hold the PWD portfolio, added: "To make all roads of the



A weekly plan has been drawn up to make repairs. Archive

city clean and safe, all agencies need to work together. Market as-

sociations and RWAs too will take ownership of city roads."

According to a statement issued by L-G V K Saxena's office, the decision came close on the heels of his meeting with officials earlier this week. After taking charge, Saxena visited several roads and stretches and took stock of the situation.

"The L-G expressed hope that that the orders... issued yesterday by the Chief Secretary on his directions will bring much needed relief to residents... The L-G has applauded the seamless coordination put in place between various road-owning agencies by keeping the Chief Minister and

Deputy Chief Minister on board," read the statement.

The order issued by the CS adds, "It is observed that roads are in need of repair, maintenance, improvement. Accordingly, it has been decided by the government that organisations, under whose jurisdiction such roads come, should undertake maintenance work of at least one road per zone along the length and breadth, including Right of Way, every week, preferably Saturday." Focus will be on repair of potholes, footpath and central verge, upkeep of green cover among other things.



# DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

नई दिल्ली  
शनिवार  
9 जुलाई 2022

NAME OF NEWSPAPERS

हिन्दुस्तान

DATED

## केजरीवाल सरकार ने राजधानी की सड़कों को शानदार बनाने के लिए पेश की साप्ताहिक कार्ययोजना सभी जोन में हर सप्ताह एक सड़क संवरेगी

### तैयारी

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। दिल्ली की सड़कों को आवागमन के लिए बेहतर बनाने के लिए सरकार ने साप्ताहिक कार्ययोजना बनाई है। इसके तहत पीडब्ल्यूडी, नगर निगम समेत सभी एजेंसियां प्रत्येक जोन में हर शनिवार को उसके अधीन आने वाली एक सड़क की मरम्मत कराएगी।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। सरकार के मुताबिक इस योजना में सिर्फ सड़कों का मरम्मत नहीं करना है बल्कि सफाई और सौंदर्यीकरण का ध्यान रखना होगा।

कार्ययोजना को लेकर उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बताया कि सरकार दिल्लीवालों को सड़कों पर चलने का शानदार अनुभव देना चाहती है। पीडब्ल्यूडी के अंतर्गत आने वाली सड़कों को यूरोपियन तर्ज पर विकसित

करने का काम चल रहा है। लेकिन इससे अलग शहर की सभी सड़कों को साफ-सुथरा, हरा-भरा और बेहतरीन बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों को मिलकर काम करने की जरूरत है। उस दिशा में यह पहल दिल्ली की सड़कों को बेहतर और सुंदर बनाने में मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग को हर सप्ताह इसकी रिपोर्ट देनी होगी उन्होंने किस जोन में किस सड़क पर काम किया है।

आरडब्ल्यूए, बाजार संगठन भी इसमें होंगे शामिल : योजना में आरडब्ल्यूए व बाजार संगठनों की भी भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उनकी भागीदारी से सड़कों को मरम्मत करने के साथ उसे हरा-भरा व साफ-सुथरा बनाएं रखने में भी मदद मिलेगी। सिसोदिया के मुताबिक संबंधित अधिकारियों को उन सड़कों को प्राथमिकता देने के लिए कहा गया है, जो खराब स्थिति में हैं और जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।



**६६** सड़कों को शानदार बनाने के लिए दिल्ली सरकार की साप्ताहिक कार्ययोजना। हर शनिवार, हर एजेंसी अपने-अपने जोन में अपने अधीन आने वाली एक-एक सड़क को शानदार बनाएगी।

- अरविंद केजरीवाल, मुख्यमंत्री

### नगर निगम के अधीन सबसे ज्यादा सड़कें

लोक निर्माण विभाग	1400 किमी लेन
दिल्ली नगर निगम	43512703.1 किमी लेन
एनडीएमसी	1290 किमी लेन/सड़क
एनएचआई	37.49 किमी
डीडीए	435 किमी (लेन)

स्रोत : दिल्ली आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22

### सड़कों की मरम्मत के साथ सौंदर्यीकरण भी होगा

योजना के तहत सड़कों की मरम्मत ही नहीं की जाएगी, बल्कि फुटपाथ को बेहतर करने, सड़कों के दोनों ओर पौधे लगाकर हरित क्षेत्र बढ़ाने के साथ ही स्ट्रीट लाइट, सार्वजनिक शौचालय, वाटर एटीएम स्थापित करने का काम भी किया जाएगा। विभागों को यह कहा गया है कि वह सड़कों की मजबूती के साथ उसकी खूबसूरती और का ध्यान भी रखना होगा।

### एलजी निगरानी करेंगे

दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने कहा है कि वे सड़कों के मरम्मत कार्य की निगरानी खुद करेंगे। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि उनके निर्देशों के बाद मुख्य सचिव द्वारा जारी साप्ताहिक कार्ययोजना से दिल्ली के लोगों को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि वे इस पर होने वाली प्रगति की निगरानी निजी तौर पर करेंगे।



# DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

संडे नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । 10 जुलाई 2022

D नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । सोमवार, 11 जुलाई 2022  
पूरी । कोटला मुबारकपुर । छज्जपुरा । साकेत । उत्तम नगर । पीतमपुरा ।

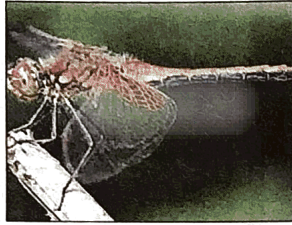
## कुदरत को करीब से जानिए ड्रैगनफ्लाई फेस्टिवल में

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

संजय वन में इस महीने के अंत तक ड्रैगनफ्लाई फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। डीडीए यह आयोजन वर्ल्डवाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) इंडिया के साथ मिलकर करने की तैयारी कर रहा है।

सिटी फॉरिस्ट एरिया में पहली बार डीडीए इस तरह के इवेंट की तैयारी कर रहा है। पिछले दिनों डीडीए ने डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया के साथ एक एमओयू भी साइन किया था। अधिकारियों के अनुसार संजय वन से लोगों व बच्चों को जोड़ने के लिए ड्रैगनफ्लाई फेस्टिवल की तैयारी हो रही है। इस जगह पर होने वाली यह पहली गतिविधि है। इससे लोगों को जंगलों को जानने का मौका मिलेगा। साथ ही दूसरी तरह की एक्टिविटी भी प्लान की जा सकेगी।

गौरतलब है कि ड्रैगनफ्लाई को हेल्दी वातावरण की निशानी माना जाता है। यह मच्छरों के लार्वा को खाकर डूंग के प्रकोप को भी मॉनसून के दौरान बढ़ने से रोकती है।



वहीं इस आयोजन में लोगों को ड्रैगनफ्लाई की फोटो लेने का मौका मिलेगा।

संजय वन में WWF इंडिया के साथ पोर्टल पर अपलोड कर सकते हैं। इस तरह की गतिविधि से जंगल के वातावरण को समझने का भी मौका मिलेगा। साथ ही जंगल और झील के आसपास कितनी प्रजातियां आदि हैं इसकी जानकारी मिल सकेगी।

डीडीए के अनुसार हमारा मकसद लोगों को प्रकृति से जोड़ना है। यहां पर आने वाले समय में ट्री टैगिंग, नेचर वॉक, जंगलों की जैव विविधता को देखने, एजुकेशनल एक्टिविटी आदि जैसी गतिविधियां भी होंगी।

## पॉलिसी को लेकर की मीटिंग

■ विस, नई दिल्ली : लैंड पूलिंग पॉलिसी को आगे बढ़ाने के मकसद से डीडीए प्रोविजनल नोटिफिकेशन जारी करने के बाद अब ग्रामीणों के साथ बैठक कर रहा है। इस तरह की बैठकें तोगीपुर, मोहम्मदपुर-रमजानपुर समेत कई गांव में आयोजित हो चुकी हैं।

## जसोला के डीडीए फ्लैट्स खस्ताहाल, ढह रही इमारतें

एनबीटी सुरक्षा कवच से जुड़े RWA प्रतिनिधियों ने बताई दिक्कतें

■ राम त्रिपाठी, जसोला

जसोला के डीडीए फ्लैट्स खस्ताहाल हो चुके हैं। रेजिडेंट्स को बुनियादी सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही। पीने के पानी की कोई स्थायी व्यवस्था नहीं है। नालियां, गलियां और सड़कों की नियमित सफाई तक नहीं होती। कॉलोनी के आधे से अधिक फ्लैट्स की इमारत कमजोर हो चुकी है। कई फ्लैटों की बालकनी और इमारत की दीवारें कई जगह से जर्जर होकर प्लास्टर और कंक्रीट तक ढह चुका है। उनके सरिये दिखाई देते हैं और डर है किसी दिन ये भरभरा कर पूरी तरह गिर ना जाएं।

ऐसी खराब हालत का मुख्य कारण जसोला कॉलोनी का डीडीए, एमसीडी और दिल्ली जल बोर्ड के बीच बंट होना बताया जाता है। पॉकेट-11 (जनता फ्लैट्स), 12 (एलआईजी), 10बी (एलआईजी) 9ए (एचआईजी) में करीब 4700 से अधिक फ्लैट्स हैं। पॉकेट की बाउंड्री के अंदर की सफाई की जिम्मेदारी एमसीडी की है, जबकि बाहर डीडीए की।

एनबीटी सुरक्षा कवच से जुड़े विभिन्न आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने बताया कि दोनों ही लोकल एजेंसी की सफाई व्यवस्था से लोग परेशान हैं। पॉकेट-11 आरडब्ल्यूए के प्रेजिडेंट संजीव कौशिक ने बताया कि डीडीए ने सफाई का ठेका दिया हुआ है। उसके कर्मचारी लंबे समय से नहीं आ रहे। यही हाल पॉकेट के अंदर एमसीडी कर्मचारियों का है।

बुनियादी सुविधाएं भी नहीं



■ पीने के पानी और बदहाल सफाई व्यवस्था से जूझ रहे रेजिडेंट्स



नियमित सफाई नहीं होती। पॉकेट-10बी के महासचिव बी. के. फिल्लई ने बताया कि मजबूरी में अपने पॉकेट के अंदर की सफाई के लिए 9 हजार रुपये महीने पर एक सफाई कर्मचारी को पार्ट टाइम में रखना पड़ा है।

दूसरी ओर, डीडीए के एजीक्यूटिव इंजीनियर ताहिर मोहम्मद खान ने एनबीटी को बताया कि स्टाफ की बहुत ज्यादा कमी है। इस कारण चेकिंग और काम कराने की व्यवस्था नहीं हो पा रही। इस समय 2 असिस्टेंट इंजीनियर सहित हम 3 अधिकारी मौजूद हैं। जबकि कम से कम 4 असिस्टेंट इंजीनियर और छह जेई की आवश्यकता तुरंत है। एमसीडी के सफाई विभाग के एक अधिकारी ने भी स्टाफ की

कमी की समस्या बताई।

इसके अलावा जसोला पॉकेट-11 के 2608 और पॉकेट-10 के 300 फ्लैटों की बिल्डिंग काफी कमजोर हो चुकी है। फ्लैटों के छज्जे, बालकनी आदि सालों से टूटकर गिर रहे हैं। बिल्डिंग के पिलर्स भी कमजोर हो गए हैं। उनकी मामूली मरम्मत तक नहीं की गई है। ताहिर मोहम्मद ने कहा कि मरम्मत का काम मॉनसून के बाद शुरू हो सकता है। तैयारी अंतिम चरण में है। कॉलोनी की एक बड़ी समस्या पीने के पानी की है। जल बोर्ड के 25 से अधिक टैंकर रोज आते हैं। टैंकरों से कॉलोनी के अंदर ग्राउंड वॉटर टैंक को भरा जाता है। लोगों का कहना है कि पीने के पानी की कमी बनी रहती है।



# DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS-----

नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली | सोमवार, 11 जुलाई 2022

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI  
MONDAY, JULY 11, 2022

## Ramlilas to be back in full swing this yr, prep to start early

Vibha.Sharma@timesgroup.com

**New Delhi:** After a gap of two years, several prominent Ramlila committees in Delhi have decided to hold the full 10-day celebrations and conduct the Ravan Dahan event on October 5.

Due to Covid pandemic and the ensuing restrictions, many Ramlila committees had withdrawn their plans to organise the event for a second consecutive year in 2021. Others had just held a symbolic one-day programme.

The decision to hold the celebrations over 10 days this time around was taken at a joint meeting of the representatives of Ramlila committees, including Shri Dharmic Leela Committee, Lav Kush Ramlila Committee and Nav Shri Dharmik Leela Committee, among others.

"During the meeting, a decision was taken to start the event from the first Navratri (September 26) and hold the festival of Vijayadashami on October 5. The dates were announced early to avoid any confusion. Also, we have decided to apply together for permissions and booking of spaces with all departments concerned, including DDA and MCD. This will help us avoid delays," said Ravi Jain, a member of Shri Dharmic Leela Committee.

Lav Kush Ramlila Committee general secretary Subhash Goel said: "Besides several difficult norms that we need to meet, the charges for booking grounds and electricity connections are steep. Getting a fire NoC is another huge challenge. Already 30-35% Ramlilas have been

Photo for representation



### A MEMBER SAYS

**A decision was taken to start the event from the first Navratri (September 26) and hold the festival of Vijayadashami on October 5. Also, we have decided to apply together for permissions and booking of spaces with all departments concerned. This will help us avoid delays**

discontinued in the city due to the tough conditions. We request authorities to help us continue the tradition by easing the norms."

On the need to start early, Dheeraj Gupta, general secretary of Shri Dharmic Leela Committee, said: "We need time to book artistes, conduct rehearsals and make arrangements for other cultural shows organised during the event. Besides, food stalls also have to be booked. Since the full event will be held after two years, we are making every effort to make it a huge success."

## दिल्ली की रामलीला समितियां 5 अक्टूबर को मनाएंगी दशहरा

■ विस, नई दिल्ली : दिल्ली की तमाम प्रमुख रामलीला समितियों की रविवार को महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें सभी कमिटियों ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि 26 सितंबर से रामलीला के मंचन की शुरुआत की जाएगी और 5 अक्टूबर को दशहरा मनाया जाएगा।

श्री धार्मिक लीला कमिटी के महासचिव धीरधर गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में दिल्ली की एक दर्जन से अधिक प्रमुख रामलीला कमिटियों के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में लाल किले की लव-कुश रामलीला कमिटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार और महासचिव सुभाष गोयल, श्री धार्मिक लीला कमिटी के पदाधिकारी प्रदीप शरण और रवि जैन और नव श्री धार्मिक रामलीला कमिटी के पदाधिकारी प्रकाश बराठी समेत विभिन्न रामलीला कमिटियों से जुड़े पूर्व पार्षदों और पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया, जिनमें अशोक जैन, सुमन गुप्ता, रवि कप्तान आदि शामिल थे। इन सभी पदाधिकारियों ने एक स्वर में निर्णय लिया कि रामलीला मंचन कराने में आने वाली दिक्कतों को दूर कराने और सरकारी एजेंसियों से जरूरी सहयोग और सुविधाएं लेने और बुकिंग कराने का काम सब मिलकर करेंगे। इसके तहत सबसे पहले डीडीए से जुड़े मामलों का समाधान कराया जाएगा, क्योंकि डीडीए के अधिकारी रामलीला मंचन से जुड़े मामलों की स्वीकृति देने में सबसे अधिक परेशानी खड़ी करते हैं। इसके अलावा एमसीडी, दिल्ली फायर सर्विस, बीएसईएस, दिल्ली पुलिस व अन्य एजेंसियों से जुड़े मामलों को भी एक-एक करके हल किया जाएगा।

## कच्ची कॉलोनियों के बैकलेन और गलियों की भी हो सफाई : एलजी

■ प्रस, नई दिल्ली : एलजी विनय कुमार सक्सेना ने एमसीडी अफसरों को सिर्फ मुख्य सड़कों, बाजारों और कॉलोनियों की चौड़ी सड़कों के सफाई तक ही सीमित नहीं रहने को कहा है। उन्होंने आदेश दिया है कि कच्ची कॉलोनियों की पतली-पतली गलियों और बैकलेन को भी साफ किया जाए। मेट्रो विभाग को



बैकलेन में जमा कूड़ा-कचरा व मलबा हटाने के लिए कहा गया है। हॉर्टिकल्चर विभाग को बैकलेन में उगे घासों को सफाई का आदेश दिया गया है। पब्लिक हेल्थ विभाग अफसरों को बैकलेन में पतली गलियों में कीटनाशक दवाइयों के छिड़काव के लिए कहा गया है। बैकलेन की सफाई के लिए हफ्ते में तीन दिन अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान द्वारका सेक्टर 6, 19 और 21, लाजपत नगर, मालवीय नगर, ग्रीनपार्क, सुभाष नगर, जनकपुरी, हरि नगर, ककरोला, पंजाबी बाग, पीतमपुरा, रोहिणी के विभिन्न सेक्टरों, नरेला डीडीए फ्लैट्स, मॉडल टाउन, सिविल लाइंस, विवेकानंद पुरी, बाजार सीताराम बैकलेन, कूचा सेठ, मिलाप नगर, जनकपुरी, राजौरी गार्डन, ग्रेटर कैलाश, न्यू फ्रेड्स कॉलोनी, यमुना विहार, दिलशाद गार्डन, पटपड़गंज और आई.पी. एक्सप्रेसवे में चलाया जाएगा।



# DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY

PRESS CLIPPING SERVICE



NEW DELHI | SATURDAY | JULY 9, 2022

DATED

# Repair damaged roads every week: LG

STAFF REPORTER ■ NEW DELHI

In an apparent game one-upmanship, Lieutenant Governor Vinai Kumar Saxena on Friday issued a statement saying that he has directed the Chief Secretary to issue directions regarding the repair, maintenance and cleaning of "One Road per Zone/Division Every Week".

The statement assumes significance after Chief Minister Arvind Kejriwal went public and projected his Government action plan saying the Delhi Government's weekly action plan to make city roads excellent and every Saturday, every agency (PWD, MCD) will work towards making each road under their jurisdiction excellent.

This has led to the Raj Niwas to issue a statement saying the order by the Chief Secretary to all road owning agencies to undertake repair/maintenance/improvisation works of at least one road per zone (end to end-on both sides) along the length



CM Arvind Kejriwal



LG Vinai Kumar Saxena



Deputy CM Manish Sisodia

and breadth including right of way every week preferably on Saturday, was issued on his directions. The L-G said the repair, maintenance and cleaning of "One Road per Zone/Division Every Week" would bring much-needed and long-pending relief to the residents and commuters of the National Capital. The L-G said that he would personally monitor the progress of the works thereon.

The L-G applauded the seamless coordination between various road owning agencies—Municipal Corporation of Delhi (MCD), New Delhi Municipal

Committee (NDMC) and Public Works Department (PWD) by keeping the Chief Minister and Deputy Chief Minister on board. The order came following L-G's meeting with the concerned officials last week.

In a statement, Raj Niwas said that the L-G was deeply concerned over the conditions of maintenance, disrepair and cleanliness of roads and footpaths in the National Capital. Even after launching the cleanliness drive to clear the roads of debris and encroachments he stroved to get all road-owning agencies like MCD, NDMA,

PWD etc. to take up the task of repair and maintenance of roads in a coordinated and effective manner within a set timeframe.

Earlier Delhi Chief Secretary Naresh Kumar directed all road owning agencies to undertake repair/maintenance/improvisation works of at least one road per zone (end to end -on both sides) along the length and breadth including right of way every week preferably on Saturday.

"Further, such initiative should also include cleanliness of such roads by ensuring removal of any garbage dumps,

MSW, plastic waste, malba, C&D waste or any other waste, during such repairs, maintenance, improvisation drive," the letter read.

"Market Welfare Associations (MWAs) and Resident Welfare Associations (RWAs) may be involved during such repairs, maintenance, improvisation drives to make it a people's drive," it said.

"All the organizations (MCD, NDMC, PWD, DDA, Delhi Cantonment, NHAI, etc.) should accordingly prepare necessary action plan, including preparation of the roster of the roads for each MCD zone, PWD Division, NDMC Road Division to be covered every week during the months of July and August, 2022 (that is 8 roads in each zone and division to be covered during eight weeks). While finalising roads to be included in the said roster, preference shall be given to such roads, which are relatively in poor state as on date," the letter further read.

In a tweet in Hindi, Kejriwal has said, "Delhi gov-

ernment's weekly action plan to make city roads excellent. Every Saturday, every agency (PWD, MCD) will work towards making each road under their jurisdiction excellent." Delhi Deputy Chief Minister Manish Sisodia, who holds the charge of PWD, said, "The Delhi Government is determined to provide pleasant commuting experience and excellent roads to all the residents of Delhi."

For this PWD is working diligently and round the clock to make the city roads better. But to make all the roads of the city clean, green and well-maintained, all agencies need to work together. This initiative will be helpful in the direction of making the city roads better, safer and beautiful."

"Delhi belongs to everyone who lives in the city. Under this initiative, Delhi Government aims to involve the community in this initiative so that people take ownership of the roads near their residence or place of work and help us keep the city green, clean and well-maintained." Sisodia said.



# DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF **अमर उजाला** नई दिल्ली | शनिवार, 9 जुलाई 2022 DATED \_\_\_\_\_

## अब एजेंसियां होंगी चुस्त, सड़कें दुरुस्त, रफ्तार नहीं पड़ेगी सुस्त

दिल्ली सरकार ने सड़कों को बेहतर बनाने के लिए तैयार किया साप्ताहिक एक्शन प्लान

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी की सड़कों को बेहतर बनाने की दिशा में अनूठा कदम उठाया है।

इसके तहत हर सप्ताह लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और नगर निगम (एमसीडी) समेत सभी संबंधित एजेंसियां अपने हिस्से में पड़ने वाली किसी एक सड़क को चमकाएंगी। 'एक सप्ताह, एक जोन, एक सड़क' नाम के साप्ताहिक एक्शन प्लान में सड़कों में आई टूट-फूट की मरम्मत होगी। साफ-सफाई करने के साथ उसका सौंदर्यीकरण भी किया जाएगा।

इसमें आरडब्ल्यूए और मार्केट एसोसिएशन की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। इस पहल से वाहनों की रफ्तार सुस्त नहीं पड़ेगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का मानना है कि इस योजना से सभी एजेंसियां अपने जोन की सड़कों को शानदार बनाने में कामयाब हों सकेंगी।

दिल्ली सरकार ने सभी संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए हैं कि वह



मनीष सिसोदिया



फाइल फोटो

### पीडब्ल्यूडी और नगर निगम के पास हैं सबसे ज्यादा सड़कें

दिल्ली में 60 फीट से चौड़ी सड़कों का रखरखाव पीडब्ल्यूडी करता है, जबकि इससे संकरी सड़कों के निर्माण और रखरखाव की जिम्मेदारी एमसीडी पर है। इसके अलावा डीडीए, एनडीएमसी, दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड व एनएचएआई के अधीन भी सड़कें हैं। एमसीडी के अधीन 12703 लेन किमी लंबी सड़क है, जबकि पीडब्ल्यूडी के अधीन करीब 1350 लेन किमी। एनडीएमसी के अधीन करीब 1300 लेन किमी और डीडीए के अधीन 435 लेन किमी सड़क है।

अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली सभी सड़कों को बेहतर करने की योजना तैयार करें। प्राथमिकता उन सड़कों को देनी है, जिनकी हालत बेहद खराब है। साप्ताहिक एक्शन प्लान पर जाने के दौरान सड़कों की मरम्मत होगी। फुटपाथ और सेंट्रल वर्ज को ठीक किया जाएगा। मानकों का ध्यान रखते हुए सड़क की पेंटिंग व मार्किंग होगी। रोड रिफ्लेक्टर, स्ट्रीट लाइट, स्ट्रीट

फर्नीचर के साथ जगह-जगह सार्वजनिक शौचालय, वाटर एटीएम भी बनेंगे। इसके अलावा सड़क के दोनों तरफ पौधे लगाकर हरियाली बढ़ाई जाएगी। सभी एजेंसियों को सरकार ने कहा है कि मजबूती सुनिश्चित करने के साथ उसकी खूबसूरती और साफ-सफाई का ध्यान भी रखा जाए। एजेंसियों को सरकार को साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट देनी होगी।

**'एक सप्ताह, एक जोन, एक सड़क' कार्यक्रम की शुरुआत**

हर शनिवार, हर एजेंसी अपने अपने जोन की एक सड़क पर तेजी से करेगी काम

मार्गों को साफ-सुथरा और हरा-भरा समेत सुव्यवस्थित बनाने पर रहेगा जोर

उपराज्यपाल की सीधी निगरानी होगी

उपराज्यपाल वीके सक्सेना का कहना है कि हर जोन व डिविजन में हर सप्ताह एक सड़क को

बेहतर बनाने के लिए होने वाले कामों व उनकी प्रगति की वह खुद निगरानी करेंगे। उम्मीद जताई कि इससे आम लोगों को सड़कों पर चलने में कोई परेशानी होगी। उपराज्यपाल ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के सहयोग से पीडब्ल्यूडी, एमसीडी, एनडीएमसी के बीच बनाए जा रहे तालमेल की तारीफ भी की है।



### आरडब्ल्यूए और मार्केट एसोसिएशन भी जुड़ेंगी

इस काम में सरकार मार्केट एसोसिएशन, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन को भी जोड़ रही है। इससे कार्यक्रम में आम दिल्लीवालों की भागीदारी सुनिश्चित हो सकेगी। इससे बेहतर तरीके से साप्ताहिक कार्य योजना को आगे बढ़ाया जा सकेगा। सिसोदिया ने कहा, हमारा मकसद इस पहल में आम लोगों को भी शामिल करना है, ताकि लोग अपने आसपास की सड़कों के साथ शहर को हरा-भरा, स्वच्छ और सुव्यवस्थित रखने में योगदान दे सकें।

उपमुख्यमंत्री और पीडब्ल्यूडी मंत्री मनीष सिसोदिया ने बताया कि केजरीवाल सरकार पीडब्ल्यूडी के तहत आने वाली सड़कों को यूरोपियन स्टैंडर्ड का बना रही है, लेकिन शहर की सभी सड़कों को साफ-सुथरा, हरा-भरा और सुव्यवस्थित बनाने के लिए सभी एजेंसियों को मिलकर काम करने की जरूरत है। उस दिशा में यह पहल दिल्ली की सड़कों को बेहतर

और सुंदर बनाने में मददगार साबित होगी। अब एमसीडी, एनडीएमसी, डीडीए, डीएसआईआईसी समेत सड़क पर अधिकार रखने वाली दूसरी एजेंसियों को भी इस योजना से जोड़ा गया है। सभी हर सप्ताह अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली किसी एक सड़क की पहचान करेंगी और उनको बेहतर किया जाएगा।